प्रस्तुतिः रेक्स डी रोज़ारियो

फल-सब्ज़ियों की कला

चकमक में हम कला की बातें करते ही रहते हैं, खासकर ऐसी कलाकृतियों की जो आसपास पाई जाने वाली चीज़ों से बन सकती हैं – जैसे फूल, पत्तियों, कागज़, बीज, कंकड़, आदि हैं। थाइलैंड, जापान, चीन व अन्य पूर्व एशियाई देशों में फल-सब्ज़ी तराशना एक लोकप्रिय कला है, खासकर त्यौहारों के अवसर पर। थाइलैंड में इसे "काइ-सू-लुक" के नाम से जाना जाता है। इस मूर्तिकला में सबसे पसन्दीदा फल तरबूज़ है।

चलो, सब्ज़ी व फलों से मूर्तिकला फल-सब्ज़ी तराशने के कुछ दुर्लभ उदाहरण देखते हैं...

तरबूज़ से बने फूल

रूखे मिजाज़ वाला बुजुर्ग

मेंढक किस फल से बना है?

सब्ज़ी व फलों से बना गुलदस्ता

सब्ज़ी व फलों से मूर्तिकला

चुकन्दर का गुलाब

कद्दू से बने दो दानव "जैक-ओ-लैंटर्न"

दो और उदाहरण पेश हैं – अमरीका में हेलोईन के अवसर पर कद्दू में तराशी गई दो दानव आकृतियाँ। हेलोईन आयरलैंड, स्कॉटलैंड, वेल्स का त्यौहार है जो फसल की कटाई के बाद मनाया जाता है। लोग विशेष पोशाक और नकाब पहनकर दुष्ट आत्माओं को मार भगाते हैं। कद्दू को तराशकर उसमें मोमबत्ती जलाना – "जैक-ओ-लैंटर्न" – इस त्यौहार का प्रतीक है। कद्दू से बने दो दानव "जैक-ओ-लैंटर्न"।

और अण्डों से नक्काशी...

शुतुरमुर्ग के अण्डे में बगुले

रीया का अण्डा

हंस का अण्डा

ईमू के अण्डे से तितली